विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 22 जूलाई 2020

वर्ग अष्टम राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

संभावित प्रश्नों के उत्तर (PA-1) की तैयारी के लिए

स्मरणीयम्

1. भाषा अपने विचारों को दूसरों के सामने प्रकट करने का साधन है।
2. संस्कृत भाषा की लिपि देवनागरी है।
3. भाषा के मुख्य दो रूप है– मौखिक तथा लिखित।
4. किसी भी भाषा का पूर्ण व शुद्ध ज्ञान करने वाला शास्त्र व्याकरण का कहलाता है।
5. व्याकरण के तीन अंग है - वर्ण, शब्द तथा वाक्य।
6. भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है।

7. वर्ण के तीन भेद है - स्वर, व्यञ्जन व अयोगवाह।
8. स्वर तीन प्रकार के होते हैं - ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत स्वर।
9. स्वरों का उच्चारण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना ही स्वतंत्र रूप से किया जाता है।
10. व्यञ्जन वे वर्ण होते हैं जिसका उच्चारण करने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।
11. किसी भी पद के सभी वर्णों को पृथक् - पृथक् करके लिखने की प्रक्रिया वर्ण - विच्छेद कहलाती है।
12. किसी वर्ण को उच्चरित करते समय जिह्वा मुख के जिन भागों को स्पर्श करती है, उन्हें उच्चारण स्थान कहते हैं।
13. पृथक् करके लिखे गए वर्णों को जोड़कर एक शब्द बनाने की प्रक्रिया वर्ण संयोजन कहलाती है।